web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शनिवार 02 सितंबर 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 334

महत्वपूर्ण एवं खास

मुंबई के ताज होटल को मिली बम से उड़ाने की धमकी, पुलिस अलर्ट

मुंबई (आरएनएस)। महाराष्ट्र के मुंबई में स्थित होटल ताज को फोन पर बम से उड़ाने की धमकी मिली है, जिसके बाद हडक़ंप मच गया है। मुंबई पुलिस ने अनुसार, फोन करने वाले शख्स ने धमकी भरे कॉल में दावा किया कि दो पाकिस्तानी मुंबई पहुंचेंगे और ऐतिहासिक ताज होटल को उड़ा देंगे। फोन करने वाले ने अपना नाम मुकेश सिंह बताया। हालांकि, एक जांच से पता चला कि उसका असली नाम जगदंबा प्रसाद सिंह है, जो मूल रूप से उत्तर प्रदेश के गोंडा का रहने वाला 35 वर्षीय व्यक्ति है, और वर्तमान में मुंबई के सांताक्रूज इलाके में रहता है। मुंबई पुलिस ने ममाले में जांच शुरू कर दी है। बता दें कि इससे पहले साल 2008 में 26 नवंबर को मुंबई में होटल ताज पर आतंकी हमला हो चुका है। इस आतंकी हमले में 166 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी और 300 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। होटल ताज पर हुए इस हमले ने भारत और पाकिस्तान को युद्ध के मुहाने पर लाकर खड़ा कर दिया था। मुंबई हमले में आतंकी अजमल कसाब को जिंदा पकड़ा लिया गया था। जिसके बाद जांच एजेंसियों की पूछताछ में पता चला था कि होटल ताज पर हुए आतंकी हमले के पीछे पाकिस्तान से ऑपरेट होने वाले आतंकी संगठनों का हाथ था। जिसके बाद अजमल कसाब को 21 सितंबर, 2012 को फांसी दी गई थी।

नासा के मंगल हेलीकॉप्टर ने मंगल ग्रह पर पूरी की 56 उड़ानें

लॉस एंजिल्स। नासा के मंगल हेलीकॉप्टर ने लाल ग्रह पर अपनी 56 उड़ानें पूरी कर ली। नासा के अनुसार, मंगल हेलीकॉप्टर ने 25 अगस्त को अपनी 56वीं उड़ान शुरु की थी, जिसमें वह 12 मीटर की ऊंचाई तक पहुंचा और 141 सेकंड में 410 मीटर की यात्रा की। इंजेनुइटी नामक यह हेलीकॉप्टर 18 फरवरी, 2021 को मंगल ग्रह के जेजेरो क्रेटर पर पहुंचा था, जो नासा के पर्सिवरेंस रोवर से जुड़ा हुआ था। यह हेलीकॉप्टर एक प्रौद्योगिकी प्रदर्शन है, जिसे किसी अन्य ग्रह पर संचालित उड़ान का परीक्षण करने के लिए पहली बार डिजाइन किया गया है। नासा के अनुसार, हेलीकॉप्टर को 90 सेकंड तक उड़ान भरने, एक समय में लगभग 300 मीटर की दूरी तक करने और जमीन से लगभग तीन से 4.5 मीटर की दूरी तक उडने के लिए डिज़ाइन किया गया था। नासा के अनुसार, अब तक, इस हेलीकॉप्टर ने मंगल ग्रह पर 100.2 उड़ान मिनट पूरा किया है, 12.9 किलोमीटर की दूरी तय की है और 18 मीटर की ऊंचाई तक पहुंचा है।

बस ने बाइक को टक्कर मारी, बाइक सवार दो व्यक्तियों की मौत

रतलाम(आरएनएस)। शुक्रवार दोपहर को पलसोड़ा फंटे पर हुए दर्दनाक सडक़ हादसे में बाइक सवार दो लोगों की मौत हो गई। घटना दोपहर करीब तीन बजे की है। ग्राम पालसोड़ा निवासी किसान दूलीचंद राठौर अपने हाली कमल के साथ मोटर साइकल पर सवार होकर अपने खेत से घर आ रहे थे। ग्राम पालसोड़ा फंटे से करीब पांच सौ मीटर दूर सैलाना रोड पीछे से आ रही राजस्थान रोडवेज की बस ने पीछे से टक्कर मारते हुए बाइक को बुरी तरह कुचल दिया। हादसे में बाइक सवार दोनों व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद बस चालक और कंडक्टर मौके से भाग निकले। बस में सवार यात्री भी बस से उत्तर कर चले गए। घटना के बाद बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। सूचना मिलने पर औद्योगिक क्षेत्र पुलिस घटना स्थल पर पहुची और दोनों मृतकों के शव को पीएम के लिए मेडिकल कालेज पहुंचाया गया।

बस ने मारी टक्कर, गर्भवती सहित दो की मौत, तीन घायल

सीतापुर (आरएनएस)। जिले के मिश्रिख कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत एक तेज रफ्तार प्राइवेट बस की चपेट में आकर दो बाइकों पर सवार एक गर्भवती महिला समेत दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि घटना में तीन अन्य लोग भी गम्भीर रूप से घायल हो गये। हालत गम्भीर देखते हुए जिन्हे उपचार हेतु जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार मिश्रिख के ग्राम करमसेपुर के पास हरदोई जा रही प्राइवेट बस ने दो बाइक सवारों को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें एक बाइक पर सवार रक्षांबधन का त्यौहार कर अपने मायके पिपरी रामकोट से लौट रही गर्भवती आरती पत्नी रामनरेश की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि उसकी बेटी मांशी निवासीगण बेनीगंज हरदोई व रिश्तेदार पिपरी निवासी शुभम पुत्र जगदीश गम्भीर रूप से घायल हो गया। वहीं दूसरी बाइक पर सवार बर्मी पार्क देखकर लौट रहे शिवा पुत्र शंकर निवासी हरसाहनी थाना नैमिषारण्य की मौत हो गई।

अगले 5 साल तक सूर्य पर नजर रखेगा आदित्य एल 1, पहले सूर्य अन्वेषण मिशन के लिए उलटी गिनती शुरू

चेन्नई (आरएनएस)। सूर्य की खोज के लिए भारत के पहले पीएसएलवी-सी57/आदित्य-एल1 मिशन के लिए 24 घंटे की उलटी गिनती शुक्रवार को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा के स्पेसपोर्ट स्थल पर शुरू हो गई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के सूत्रों ने कहा कि शार रेंज में आज सुबह 11.50 बजे उलटी गिनती शुरू हो गई। लॉन्च ऑथराइजेशन बोर्ड और मिशन रेडीनेस कमेटी की ओर से मिशन की प्रगति की समीक्षा की गयी और इसके बाद मिशन के लिए मंजूरी दे दी गयी।

आदित्य-एल1 उपग्रह, जो सूर्य का अध्ययन करने के लिए पहला अंतरिक्ष आधारित भारतीय उपग्रह होगा, इसरो के वर्कहॉर्स प्रक्षेपण यान पीएसएलवी-सी57 से दूसरे लॉन्च पैड से शनिवार को 11.50 बजे लॉन्च की जाएगी। उलटी गिनती के दौरान प्रणोदक भरने का कार्य चार चरणों वाले वाहन में बाहर से किया जाएगा। लैंडर मॉड्यूल के बाद यह दस दिनों की छोटी अवधि में भारत द्वारा दूसरा प्रमुख अंतर-ग्रहीय अन्वेषण होगा।

आदित्य-एल1 अंतरिक्ष यान को सूर्य के परिमंडल के दूरस्थ अवलोकन और एल1 (सूर्य-पृथ्वी लैग्रेंजियन बिंदु) पर सौर हवा का वास्तविक अध्ययन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो पृथ्वी से लगभग 15 लाख किलोमीटर दूर है। आदित्य-एल1 लॉन्च के बाद पृथ्वी से लगभग 15 लाख किलोमीटर दूर सूर्य की ओर जाएगा और लैग्रेंज बिंदु पर जाकर स्थापित हो जाएगा। इसके बाद वह 5 साल तक नजर रखेगा और कई तरह से उसका अध्ययन करने के बाद उसका डाटा पृथ्वी पर भेजेगा।

वैज्ञानिकों का कहना है कि आदित्य एल-1 अभियान भारत में तारा भौतिकी और सौर भौतिकी क्षेत्र को बहुत आगे ले जाएगा। पृथ्वी पर हिम युग का क्या इतिहास रहा है आदित्य एल-1 इसकी

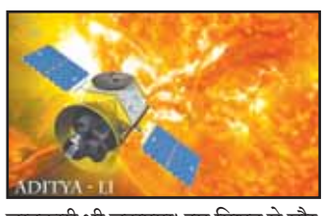

जानकारी भी जुटाएगा। इस मिशन से सौर गतिविधियों को समझने में मदद मिलेगी और उसका पृथ्वी पर होने वाले असर का भी पता चलेगा। इसकी मदद से हिम युगों की क्या वजह रही और भविष्य में क्या संभावनाएं है इसका भी पता चल सकेगा।

बता दें, चंद्रयान -3 ने 23 अगस्त को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक सॉफ्ट लैंडिंग की और वहां रोवर तैनात किया गया। रोवर ने चंद्र सतह पर, क्षेत्र का इन-सीटू रासायनिक विश्लेषण करना शुरू कर दिया है और चंद्रमा की छवियां भेज रहा है। रोवर वहां उपकरणों का उपयोग करके क्षेत्र पर कई रासायनिक कणों की पहचान भी कर रहा है।

इसरो को बड़ी सफलता: चंद्रयान-3 के रंभा पेलोड को चांद पर मिला विरल प्लाज्मा

चेन्नई (आरएनएस)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शुक्रवार को कहा कि चंद्रयान-3 अंतरिक्ष यान के विक्रम लैंडर ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में प्लाज्मा का पता लगाया है, जो अपेक्षाकृत विरल है। चंद्रयान-3 के लैंडर पर लगे हुए रेडियो एनाटॉमी ऑफ मून बाउंड हाइपरसेंसिटिव लोनोस्फीयर एंड एटमॉस्फियर- लैंगमुइर प्रोब (रंभा-एलपी) पेलोड ने दक्षिण ध्रुवीय क्षेत्र के ऊपर सतह के निकट चंद्र प्लाज्मा वातावरण का पहली बार माप किया है।

प्रारंभिक आकलन से संकेत मिला है कि चंद्रमा की सतह के पास प्लाज्मा अपेक्षाकृत विरल है। ये मात्रात्मक माप संभावित रूप से उस शोर को कम करने में सहायता करते हैं, जो चंद्र प्लाज्मा रेडियो तरंग संचार के दौरान उत्पन्न होते है। इसरो ने कहा कि इसके अलावा, वे भविष्य में चंद्र आगंतुकों के लिए उन्नत डिजाइन में योगदान दे सकते हैं। रंभा-एलपी पेलोड एक लैंगमुइर प्रोब है जिसे तिरुवनंतपुरम में विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) की अंतरिक्ष भौतिकी प्रयोगशाला (एसपीएल) द्वारा विकसित किया गया है।

यह चंद्रयान-3 लैंडर पर लगा है, जो 23 अगस्त, 2023 को चंद्रमा की सतह पर सफलतापूर्वक उतरा है। रंभा-एलपी पेलोड को चंद्र प्लाज्मा वातावरण के इन-सीटू माप करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह अंतरिक्ष का वह क्षेत्र है जो चंद्रमा की सतह के सबसे समीप है और जहां चंद्र प्लाज्मा सबसे घना है। रंभा-एलपी पेलोड चंद्र प्लाज्मा वातावरण में इलेक्ट्रॉन घनत्व, तापमान और विद्युत क्षेत्र की माप करेगा। रंभा-एलपी पेलोड के आंकड़ों के प्रारंभिक आकलन से संकेत मिलता है कि चंद्रमा की सतह के पास प्लाज्मा अपेक्षाकृत विरल है।

इसका मतलब है कि अंतरिक्ष के इस क्षेत्र में ज्यादा इलेक्ट्रॉन नहीं हैं। चंद्र प्लाज्मा की विरलता महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उसी तरीके से प्रभावित करता है जिस तरीके से रेडियो तरंगें अंतरिक्ष के माध्यम से फैलती हैं। रम्भा-एलपी पेलोड द्वारा किया गया माप वैज्ञानिकों को चंद्र प्लाज्मा वातावरण को बेहतर ढंग से समझने में मदद करेगा। इसरो ने यह भी घोषणा किया कि चंद्रयान-3 इन-सीटू वैज्ञानिक प्रयोगों से पता चला है कि लैंडर पर चंद्र भूकंपीय गतिविधि (आईएलएसए) पेलोड – पहला माइक्रो इलेक्ट्रो मैकेनिकल सिस्टम (एमईएमएस) प्रौद्योगिकी- चंद्रमा पर आधारित उपकरण – ने रोवर और अन्य पेलोड गतिविधियों को रिकॉर्ड किया है।

ईंटों से भरी ट्रॉली से जा टकराई श्रद्धालुओं से भरी कार, 4 की मौत; नकोदर से माथा टेककर लौट रहे थे वापस

बरनाला (आरएनएस)। बरनाला में भीषण सडक़ हादसे की खबर सामने आई है। नकोदर से लौट रही एक स्विफ्ट कार आज सुबह 5 बजे ईंटों से भरी ट्राली से जा टकराई। इस भीषण हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब कार सवार लोग नकोदर से माथा टेककर वापस लौट रहे थे। हादसे के बाद वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है।

इस संबंध में थाना ठुलीवाल के मुख्य अधिकारी बलदेव सिंह मान ने बताया कि विकास पुत्र दयानंद निवासी 12 क्वार्टर रोड, हिसार, अमृतपाल पुत्र चरणजीत निवासी हिसार, सोनू बत्रा निवासी हिसार और एक 11 वर्षीय बच्चा रात करीब 12 बजे हिसार से नकोदर डेरे पर माथा टेकने के लिए निकला था।

पुलिस ने बताया कि लौटते समय आज सुबह करीब 5 बजे जब वह गांव भदलवड के पास पहुंचे तो कार आगे जा रही ईंटों से भरी ट्रॉली से टकरा गई। इस हादसे में कार सवार सभी चार लोगों की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल बरनाला भेज दिया गया है। उनहोंने बताया कि पुलिस ने ईंटों से भरी ट्रैक्टर ट्राली के ड्राइवर सोमा सिंह निवासी गांव संघेड़ा को गिरफ्तार करके अगली कार्रवाई शुरू कर दी है।

बड़ा फैसला : एक राष्ट्र, एक चुनाव को लेकर समिति गठित, पूर्व राष्ट्रपति कोविंद होंगे अध्यक्ष

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के नेतृत्व में 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के लिए एक समिति का गठन किया। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। इस संबंध में जल्दी ही नोटिफिकेशन जारी किया जा सकता है। दरअसल, सरकार ने 18 से 22 सितंबर तक संसद का विशेष सत्र बुलाने का एलान किया था, जिसके बाद से ही यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि इस पांच दिवसीय सत्र के दौरान सरकार 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' विधेयक पेश कर सकती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी विधानसभा और आम चुनाव एक साथ कराने के विचार पर जोर दे रहे हैं। एक साथ दोनों चुनाव कराने से चुनाव कराने की लागत कम हो जाएगी। सरकार के लिए समय भी बचेगा।

संसदीय कार्य मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि जी-20 देशों की मीटिंग के बाद ही विशेष सत्र का एजेंडा तय किया जाएगा। लेकिन अब समिति के गठन के बाद यह कयास और तेज हो गए हैं कि विशेष सत्र 'एक देश एक चुनाव' पर चर्चा के लिए ही बुलाया गया है।

पैसों की बर्बादी से बचना- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई मौकों पर वन नेशन-वन इलेक्शन की वकालत कर चुके हैं. इसके पक्ष में कहा जाता है कि एक देश-एक चुनाव बिल लागू होने से देश में हर साल होने वाले चुनावों पर खर्च होने वाली भारी धनराशि बच जाएगी. बता दें कि 1951-1952 लोकसभा चुनाव में 11 करोड़ रुपये खर्च हुए थे जबकि 2019 लोकसभा चुनाव में 60 हजार करोड़ रुपये की भारी भरकम धनराशि खर्च हुई थी. पीएम मोदी कह चुके हैं कि इससे देश के संसाधन बचेंगे और विकास की गति धीमी नहीं पड़ेगी.

बार-बार चुनाव कराने के झंझट से छुटकारा- एक देश- एक चुनाव के समर्थन के पीछे एक तर्क ये भी है कि भारत जैसे विशाल देश में हर साल कहीं न कहीं चुनाव होते रहते हैं. इन चुनावों के आयोजन में पूरी की पूरी स्टेट मशीनरी और संसाधनों का इस्तेमाल किया जाता है. लेकिन यह बिल लागू होने से चुनावों की बार-बार की तैयारी से छुटकारा मिल जाएगा. पूरे देश में चुनावों के लिए एक ही वोटर लिस्ट होगी, जिससे सरकार के विकास कार्यों में रुकावट नहीं आएगी.

केंद्रीय शिक्षा मंत्री का ऐलान, एनसीईआरटी को मिलेगा डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी का दर्जा

नई दिल्ली (आरएनएस)। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) को डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी का दर्जा मिलने जा रहा है। शुक्रवार को दिल्ली में एनसीईआरटी के 63वें स्थापना दिवस पर यह घोषणा की गई। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने घोषणा करते हुए कहा कि एनसीईआरटी को डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी का दर्जा दिया जाएगा।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने एनसीईआरटी के 63वें स्थापना दिवस पर कहा एनसीईआरटी को औपचारिक रूप से डीम्ड विश्वविद्यालय के तौर में मान्यता मिलने जा रही है। इसके साथ ही प्रधान ने बताया कि बाल भवन का एनसीईआरटी में विलय किया जाएगा। उन्होंने एनसीईआरटी, सीबीएसई और केंद्रीय विद्यालय से 'जादुई पिटारा' गीत को 22 भाषाओं में तैयार करने को भी कहा।

गौरतलब है कि एनसीईआरटी स्कूली

शिक्षा के लिए पाठ्यपुस्तकें तैयार करती हैं। एनसीईआरटी ने करिकुलम पर दो समितियां बनाई हैं। इनमे राष्ट्रीय निरीक्षण समिति और राष्ट्रीय पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तक समिति बनाई हैं।

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि ये दोनों समितियां 21वीं सदी की आवश्यकताओं के अनुसार और मूल भारतीय सोच पर आधारित पाठ्यक्रम तैयार करेंगी।

गौरतलब है कि एनसीईआरटी स्कूली शिक्षा के लिए कक्षा 3 लेकर 12वीं तक की पुस्तकें तैयार कर रहा है। यह पुस्तकें राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आधार पर तैयार की जा रही है। एनसीईआरटी केंद्र सरकार द्वारा स्थापित एक ऐसा संस्थान है जो स्कूली शिक्षा से जुड़े मामलों पर केंद्र और राज्य सरकारों को सलाह देने के उद्देश्य से स्थापित की गई है। यह परिषद भारत में स्कूली शिक्षा संबंधी सभी नीतियों पर काम करती है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक एनसीईआरटी का मुख्य कार्य शिक्षा एवं समाज कल्याण मंत्रालय को विशेषकर स्कूली शिक्षा के संबंध में सलाह देने और नीति-निर्धारण में मदद करने का है।

इसके अतिरिक्त एनसीईआरटी के अन्य कार्य हैं, शिक्षा के समूचे क्षेत्र में शोधकार्य को सहयोग और प्रोत्साहित करना, उच्च शिक्षा में प्रशिक्षण को सहयोग देना, स्कूलों में शिक्षा पद्धति में लाए गए बदलाव और विकास को लागू करना, राज्य सरकारों और अन्य शैक्षणिक संगठनों को स्कूली शिक्षा संबंधी सलाह आदि देना और अपने कार्य हेतु स्कूली पाठ्य पुस्तकों का प्रकाशन और अन्य शैक्षणिक वस्तुओं के प्रचार की दिशा में कार्य करना।

एनसीईआरटी स्कूली शिक्षा के लिए शीर्ष संगठन के रूप में कार्यरत संस्थान है। एनसीईआरटी देश में शैक्षिक अनुसंधान और नवाचार, पाठ्यक्रम विकास, पाठ्य और शिक्षण-सीखने की सामग्री के विकास सहित विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों का संचालन करती है।

केंद्रीय राज्य मंत्री के घर में बड़ी वारदात, भाजपा कार्यकर्ता की गोली मारकर हत्या

लखनऊ (आरएनएस)। दुबग्गा में केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर के नए बने घर में शुक्रवार तडक़े 28 वर्षीय विनय श्रीवास्तव की गोली मार कर हत्या कर दी गई। मृतक विनय मंत्री के बेटे विकास किशोर का दोस्त था। गोली विनय के माथे पर मार गई ही। सूचना मिलते पर डीसीपी पश्चिम राहुल राज, एसीपी काकोरी अनूप कुमार सिंह पुलिस पार्टी के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। इस मामले में पुलिस ने चार लोगों की हिरासत में भी लिया है। साथ ही केंद्रीय राज्य मंत्री के बेटे विकाश किशोर की पिस्टल भी बरामद कर ली है। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। जानकारी देते हुए डीसीपी ने बताया कि विनय श्रीवास्तव कन्हैया माधवपुर वार्ड फरीदीपुर के रहने वाले हैं और वह भाजपा कार्यकर्ता था।

उनके भाई विकास श्रीवास्तव ने बताया कि रात भाई विकास किशोर के घर पर गया था। वहां अजय रावत, अंकित वर्मा, शमीम और बाबा रहते हैं। वहां चारों लोगों ने भाई के साथ खाना-पिया। इसके बाद उनके बीच झड़प हुई। इसी दौरान भाई की गोली मार कर हत्या कर दी गई। डीसीपी ने बताया कि चारों आरोपितों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ कर हत्या के कारणों के बारे में जानकारी की जा रही है।

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के दसवें दीक्षांत समारोह में पहुँची राष्ट्रपति ने 2946 छात्र-छात्राओं को प्रदान की उपाधि

- चंद्रयान मिशन की तरह ही जीवन को भी देखें, कठिनाई का डटकर मुकाबला करें, सफलता कदम चूमेगी : राष्ट्रपति
- उपाधि पाने वालों में 60 फीसदी छात्राएं, राष्ट्रपति ने कहा महिला सशक्तिकरण की दिशा में यह बड़ी उपलब्धि

रायपुर। गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के दसवें दीक्षांत समारोह में हिस्सा लेने तथा विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान करने पहुँची राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने चंद्रयान मिशन के माध्यम से जीवन की सफलताओं के सूत्र बताए। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत के चंद्रयान ने चंद्रमा की सतह पर सफल लैंडिंग की। इस पर

बरसों से निष्ठापूर्वक काम होता रहा। मार्ग में रूकावटें आती रहीं लेकिन हम नहीं रूके। ऐसा व्यक्तिगत जीवन में भी होता है। निरंतर दक्षता के साथ परिश्रम करते रहें तात्कालिक सफलता से कभी हताश न हो, चुनौतियाँ हमारे जीवन में आती हैं तो नये मौके भी लाती हैं। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति ने इस अवसर पर 2946 छात्र-छात्राओं को उपाधि प्रदान की। समारोह में राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया।

जय जोहार के साथ अपने संबोधन की शुरूआत करते हुए राष्ट्रपति ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज हमारा तिरंगा चाँद पर पहुँच चुका है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि का विषय है। इस उपलब्धि को किस तरह वैज्ञानिकों ने प्राप्त किया। इस संबंध में विश्वविद्यालय में आयोजन होने चाहिए ताकि समाज में वैज्ञानिक दृष्टिकोण यानी साइंटिफिक टेंपर का निर्माण हो सके। यह संविधान के मूल कर्तव्यों में शामिल है। मुझे खुशी है कि इस विश्वविद्यालय में आधुनिक प्रयोगशालाएं हैं। यहाँ ऐक्सलरेटर आधारित रिसर्च सेंटर भी स्थापित की गई है। अपने अनुसंधान से यह विश्वविद्यालय दुनिया में अपनी पहचान बनाएं। जो देश विज्ञान और प्रौद्योगिकी को अपनाने में आगे रहेंगे, वे ज्यादा तरक्की करेंगे। हमारे स्पेस मिशन में हमें दुनिया से कुछ असहयोग का सामना भी करना पड़ा, फिर भी हम दृढ़ता से बढ़ते रहे।

राष्ट्रपति ने कहा कि इस विश्वविद्यालय का महत्व इसलिए भी है क्योंकि इसका नाम गुरु घासीदास के नाम पर है। उन्होंने मनखे मनखे एक समान का संदेश दिया। गुरु घासीदास ने समानता का संदेश दिया। समानता के आदर्शों पर चलकर ही युवा सुख के रास्ते पर चल सकते हैं और सभ्य समाज का निर्माण कर सकते हैं।

इस मौके पर राष्ट्रपति ने स्वामी विवेकानंद को भी याद किया। उन्होंने कहा कि रायपुर का हवाई अड्डा स्वामी विवेकानंद के नाम पर है। वे शारीरिक स्वास्थ्य के साथ खेलकूद को भी महत्व देते थे। स्वामी जी आत्मविश्वास की मूर्ति थे। स्वामी जी ने शिकागो में भारतीय संस्कृति की श्रेष्ठता का विश्वघोष किया था। उस समय भारत में गुलामी की मानसिकता अपने चरम पर थी। एशिया के लोग हीनता की भावना से ग्रस्त थे। ऐसे वातावरण में विवेकानंद ने भारत का नाम बढ़ाया। युवा पीढ़ी को स्वामी विवेकानंद से प्रेरणा लेनी चाहिए।

राष्ट्रपति ने कहा कि मुझे खुशी है कि स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले 76 विद्यार्थियों में 45 छात्राएं हैं जो कुल संख्या का लगभग 60 प्रतिशत है। विश्वविद्यालय में 47 प्रतिशत छात्राएं पढ़ रही हैं। महिला सशक्तिकरण की दिशा में यह बड़ा कदम है। देश की आधी आबादी महिलाओं की है। इन्हें सशक्त करने से देश और मजबूत होगा।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के आसपास के क्षेत्र में आदिवासी समुदाय काफी है। राज्य की एक तिहाई आबादी जनजातीय है। जनजातीय समुदाय के प्रति संवेदनशीलता और महिलाओं की भागीदारी जैसे विषय बहुत महत्वपूर्ण है। विश्वविद्यालय द्वारा इस संबंध में अच्छा कार्य किया जा रहा है।